देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 01.05.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड को रक्षा उत्पादन केंद्र और ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई।
- उत्तराखंड सरकार में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आज से अनिवार्य रूप से बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करनी होगी।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुंबई में आज भारत के पहले विश्व ऑडियो विजुअल मनोरंजन शिखर सम्मेलन–वेव्स का उद्घाटन करेंगे।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सड़क सुरक्षा को जन–आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। कहा– सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी।

"सूर्या ड्रोन टेक 2025" प्रदर्शनी अवलोकन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड को रक्षा उत्पादन केंद्र और ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं में तकनीकी रुचि को बढ़ावा देने के साथ नवाचार को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे उत्तराखंड ड्रोन और रक्षा निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन सके।

मुख्यमंत्री, देहरादून छावनी स्थित जसवंत ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय "सूर्या ड्रोन टेक 2025" प्रदर्शनी में शामिल हुए और ड्रोन तकनीकों का अवलोकन किया। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी भारतीय सेना की सेंट्रल कमांड और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स के सहयोग से आयोजित की गई थी, जिसमें देश में विकसित अत्याधुनिक ड्रोन तकनीकों को प्रदर्शित किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड में ड्रोन तकनीक आपदा राहत कार्यों में वरदान साबित हो रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ड्रोन विशेषज्ञ बनें और नागरिक क्षेत्रों में तकनीक आधारित समाधान विकसित करें। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीतियों में रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दी गई है, और ऐसे आयोजन युवाओं को नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं।

बायोमैट्रिक उपस्थिति

उत्तराखंड में सभी राजकीय अधिकारियों और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को आज से अनिवार्य रूप से बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करनी होगी। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिये हैं। देहरादून में आयोजित सचिव समिति की बैठक में मुख्य सचिव ने मुख्य सचिव ने बायोमैट्रिक उपस्थिति, ई–ऑफिस और हर विभाग को अपने 5 से 10 प्रमुख कार्यों के लक्ष्य तय करने और उसी के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से काम करने के कहा। उन्होंने प्रत्येक विभाग को से जनहित और राज्यहित से जुड़े लगभग 10–10 प्रमुख प्रस्तावों की सूची तैयार करने को भी कहा है।

बैठक के दौरान सभी सचिव, अपर सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को क्षेत्रीय भ्रमण कर जिलों में चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश रहे। मुख्य सचिव ने सभी विभागों में ई–ऑफिस प्रणाली को तत्काल लागू करने और इसकी नियमित समीक्षा करने को भी कहा है।

बैठक में ''डिजिटल उत्तराखंड पोर्टल'' का प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें एकल साइन–इन के जरिए विभिन्न सेवाओं की सुविधा देने की बात कही गई। इस पोर्टल को राज्य की डिजिटल सेवाओं को एकीकृत करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिससे अधिकारी विभिन्न पोर्टलों और सेवाओं की वास्तविक समय पर निगरानी कर सकें।

वेव्स

भारत के पहले विश्व ऑडियो विजुअल मनोरंजन शिखर सम्मेलन–वेव्स की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में भारत के पहले विश्व ऑडियो विजुअल मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 का शुभारंभ करेंगे। चार दिन के सम्मेलन का मुख्य विषय है – क्रिएटर्स और देशों को एकजुट करना। प्रधानमंत्री मोदी 32 क्रिएट इन इंडिया चैलेंज से चुने गए क्रिएटर्स से बातचीत करेंगे।

सड़क सुरक्षा गोष्ठी

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सड़क सुरक्षा को जन–आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया है। इसके लिये उन्होंने सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, मीडिया और सामाजिक संगठनों को अपने स्तर पर कार्य करने की अपील की है।

देहरादून स्थित राजभवन में आयोजित सड़क सुरक्षा गोष्ठी में राज्यपाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों तक सीमित नहीं, बल्कि यह जन–जागरूकता और नागरिकों की जिम्मेदारी से जुड़ा विषय है। राज्यपाल ने स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के ब्रांड एम्बेसडर बनने और अपने परिवार व समुदाय को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में सड़क सुरक्षा की चुनौतियां विशेष हैं, और यहां संकरी, घुमावदार सड़कों और मौसम की वजह से सतर्कता और नियम पालन और भी जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर कल गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा–अर्चना के साथ खोल दिए गए। इसके साथ ही उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा 2025 का औपचारिक शुभारंभ हो गया।

तीर्थयात्रा शुरू होने के पहले दिन ही 17 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर पूजा–अर्चना की।

कपाट खुलने के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम उत्तराखण्ड ही नहीं, देश–विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक प्रबंध किए हैं। उन्होंने सभी से ग्रीन और क्लीन चारधाम यात्रा के लिए सहयोग की अपील भी की। गौरतलब है कि केदारनाथ धाम के कपाट कल श्रद्धालुओं के लिये खोले जांएगे, जबकि बदरीनाथ धाम के कपाट चार मई को खुलेंगे।

घोड़ा खच्चर संचालन

इस बार केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के पैदल मार्गों पर चार हजार तीन सौ से अधिक घोड़ा–खच्चर संचालक तीर्थयात्रियों की सेवा में तैनात रहेंगे।

केदारनाथ धाम के लिए अब तक दो हजार चार सौ तिरानब्बे संचालकों ने पांच हजार से अधिक घोड़े–खच्चरों का पंजीकरण करवाया है। गौरीकुंड से केदारनाथ तक करीब 18 किलोमीटर की यात्रा के लिए यात्रियों को सुविधा देने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग ने सभी पंजीकृत जानवरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर फिटनेस

प्रमाणपत्र जारी किए हैं। सोनप्रयाग, गौरीकुंड, लिंचौली और केदारनाथ में पशु चिकित्सालय स्थापित किए गए हैं, जहां पांच डॉक्टर और सात पैरावेट तैनात हैं। मार्ग के 13 स्थानों पर गरम पानी की भी व्यवस्था की गई है।

यमुनोत्री धाम के लिए तीन हजार सात सौ से अधिक घोड़े–खच्चरों का पंजीकरण किया गया है। जानकीचट्टी में अस्थायी पशु चिकित्सालय स्थापित किया गया है, जहां चार पशु चिकित्सक, चार पशुधन प्रसार अधिकारी और दो सहायकों को तैनात किया गया है। यहां यात्रा मार्ग पर छह गीजर भी लगाए गए हैं ताकि जानवरों को गरम पानी मिल सके।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए केदारनाथ मार्ग पर सोनप्रयाग, गौरीकुंड, भीमबली, लिंचौली और रुद्र प्वाइंट पर पांच प्रीपेड बुकिंग काउंटर बनाए गए हैं। यमुनोत्री में घोड़ा–खच्चर संचालकों को नंबर वाली जैकेट दी गई है और उन्हें दिन में केवल एक बार ही धाम तक जाने की अनुमति होगी।

ग्रीन कार्ड

चारधाम यात्रा को सुचारु और सुरक्षित रूप से संचालित करने के लिये परिवहन विभाग पौड़ी में अब तक 60 ग्रीन कार्ड जारी किए गए है। एआरटीओ निखिलेश ओझा ने बताया कि चारधाम यात्रा मार्ग पर वाहनों की सुचारु व्यवस्था के लिए वाहनों के ग्रीन कार्ड जारी किये जा रहे हैं ताकि वाहनों की तुरंत जांच हो सके और यात्रा में व्यवधान न पड़े। उन्होंने बताया कि कीर्तिनगर पुल से धारीदेवी सिरोंबगड़ तक सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के साथ ही जाम से बचने के लिए पार्किंग की सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित कर ली गई है। गौरतलब है कि चारधाम यात्रा के दौरान ग्रीन कार्ड धारक वाहन चालकों को अपने सभी दस्तावेजों को बार–बार दिखाने की आवश्यकता नहीं होती। यह कार्ड एक प्रकार से सभी जरूरी कागजातों का वैध प्रमाण होता है, जिससे जांच प्रक्रिया सरल और तेज हो जाती है।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

उत्तराखंड में शुरू हुई चारधाम यात्रा की खबर को सभी समाचार पत्रों ने प्राथमिकता दी है... हिन्दुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक है– चारधाम यात्रा का श्रीगणेश.. इसी खबर पर दैनिक जागरण लिखता है– मां गंगा और यमुना के दर्शन शुरू... 20 हजार से अधिक श्रद्धालु बने भव्य पल के साक्षी।

अंतिम पड़ाव गौरी माई मंदिर पहुंची बाबा की डोली– कल खुलेंगे बाबा केदार के कपाट– इस शीर्षक के साथ अमर उजाला लिखता है– 108 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा केदारनाथ मंदिर।

डिफेंस प्रोडक्शन हब बनेगा उत्तराखंड– दैनिक जागरण इस शीर्षक के साथ लिखता है– देहरादून में आयोजित सूर्या टेक का समापन, सीएम धामी बोले– आपदा राहत कार्यों में ड्रोन तकनीक वरदान।

एक अन्य ख़बर पर मुख्य सचिव आनंद वर्धन के हवाले से अमर उजाला लिखता है– सरकारी विभागों में बायोमेट्रिक हाजिरी आज से होगी अनिवार्य।

कांग्रेस के हवाले से हिन्दुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक है– संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही सरकार– देहरादून में निकाली गई संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस ने साधा निशाना, इसी खबर पर बीजेपी के पलटवार पर भी समचार पत्र ने लिखा है– भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस की रैली को बताया सनातन विरोधी।